2

नवग्रह वन

'ग्रह' एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है करना, बांधना, लिटाना, पकड़ के रखना आदि। पकड़ने का अर्थ है, मां पृथ्वी पर रहने वाले सभी सजीव जीवों को एक देवीय प्रभाव में रखना। ज्योतिष के अनुसार नवग्रह भी इसी प्रकार कुछ प्रभावी है। कुछ मतानुसार यह ग्रह प्रभाव बनाते हैं। यह प्रभाव सजीव व्यक्तियों के व्यवहार में कार्मिक प्रभाव उत्पन्न करता है। कुछ ज्योतिष मानते हैं कि ये ऊर्जा पिंड पृथ्वी पर रहने वाले सभी सजीवों को प्रभावित करते हैं। हर ग्रह का अपना ऊर्जा स्तर होता है।

सभी नवग्रहों में एक आपसी संबंधी, गति व चाल होती है। यह गति राशियों के निश्चित तारों की पृष्ठ भूमि के अनुसार होती है। इसमें मुख्य ग्रह होते हैं-मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि व इनकी आकाश में स्थिति। इसके साथ ही राहु (उत्तरी अथवा आरोही चंद्र स्थिति) और केतु (दक्षिणी अवरोही चंद्र स्थिति) भी शामिल होती है। (आरोही चंद्र स्थिति- ascending lumar mode) अवरोही चंद्र स्थिति-descending lunar mode)

परंपरागत ज्योतिषी नवग्रह के मुख्य जानकार माने जाते हैं। बहुत से लोग ज्योतिषी के पास अपनी समस्या लेकर जाते हैं। इनके उपाय के रूप में अनेक प्रकार की रीति-क्रिया करते हैं। यह सभी उपाय नवग्रह की पूजा से जुड़े हैं ताकि उनके प्रभावों को दूर किया जा सके।

उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ को पढ़ने के बाद आप–

- नवग्रह वन के महत्वकी व्याख्या कर पाएंगे;
- नवग्रह वन के लाभों की सूची बना सकेंगे;
- नवग्रह वन के पेड़ों के नाम बता पाएंगे;
- उनके उगने की दिशा पहचान सकेंगे तथा उनके प्रतिनिधि ग्रह को भी पहचान सकेंगे; और
- नवग्रह वन के पेड़ों के औषधीय गुणों की व्याख्या कर पाएंगे।

2.1 नवग्रह वन का महत्व

हमारे पूर्वजों ने वनों और वैदिक वन के प्रत्यय को अपनाया है। वह वृक्ष वाटिका की भी चर्चा करते हैं। इसी कारण वह प्राचीन समय में दुर्लभ औषधीय पेड़ों की रक्षा कर पाते थे। हमारी संस्कृति में सूची, चंद्रमा, तारे, नदी, पेड़-पौधों आदि की पूजा करने का विशेष महत्व रहा है। औषधीय पेड़ों के उगाए जाने से जुड़ी हुई अनेक ग्रंथावलियां उपलब्ध हैं। इन्हीं के आधार पर नक्षत्र वन की रचना की गयी है। इन वनों में औषधीय पौधों, फूल और फल संबंधी बगीचे उपलब्ध हैं।

जैसा कि हम जानते हैं कि वास्तु शास्त्र एक इमारत बनाने अथवा शहर या कस्बे के नियोजन में अथवा एक मंदिर की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। इस प्रकार नवग्रह वन भी वास्तु शास्त्र का एक महत्वपूर्ण संप्रत्यय है। नवग्रह वन से तात्पर्य है 9 ग्रहों का बगीचा। हर गृह का प्रतिनिधित्व उसका पौधे-पेड़, घास या झाड़ी करती है। इनमें 9 ग्रहों की ऊर्जा शामिल होती है। यह पेड़-पौधे 9 ग्रहों की विशिष्ट दिशा में उगाए जाते हैं ताकि इनका अधिक लाभ मिल सके। एक विशिष्ट जगह और दिशा में उगने के कारण यह हमें नकारात्मकता से भी बचाते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह नकारात्मकता हमारी कुंडली के ग्रहों में दिखाई देती है। इसका कारण

विशेष ग्रह होते हैं। इनके प्रमाणों को न्यूनतम करना ही एकमात्र लक्ष्य होता है। यह हमें धन-धान्य, अच्छा स्वास्थ्य और सुरक्षा देते हैं। साथ ही सही दिशा में यही कार्य करने हेतु अभिप्रेरित करते हैं।

2.2 नवग्रह वन के लाभ

यदि नवग्रह वन उगाए जाएं तो यह ऊर्जा का महत्वपूर्ण स्त्रोत है। यह पौधे अलग-अलग ग्रहों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए इन्हें नवग्रह शक्ति माना जाता है।

1. नवग्रह वन का प्रयोग नवग्रह शक्ति के लिए किया जाता है।
2. नवग्रह वन नौ ग्रहों के नकारात्मक प्रभावों को वास्तु की सहायता से कम करते हैं।
3. यह वास्तु ऊर्जा प्रदान करते हैं। इसमें पौधे उगाकर वास्तु दोष को कम किया जाता है।
4. यह व्यक्ति को स्वस्थ और धन-धान्य से भरा रखता है।
5. नवग्रह वन बहुत सारी बीमारियों से भी रक्षा करता है।
6. नवग्रह वन वस्तु को एक नयी दिशा में दिखाता है।
7. सही समय एवं सही दिशा में उगाए जाने पर यह पौधे दिव्य ऊर्जा को अपनी ओर आकर्षित करते है।

पाठगत प्रश्न 1.1

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. ज्योतिष मानते हैं कि ..... का प्रभाव ऊर्जा पिंड पर पड़ता है।
2. हर ग्रह एक विशिष्ट ..... गुण अपने साथ रखता है।
3. नवग्रह वन का प्रयोग 9 ग्रहों की ..... के लिए किया जाता है।
4. नवग्रह वन 9 ग्रहों के हानिकारक प्रभावों से बचने के लिए ..... का प्रयोग करता है।
5. नवग्रह पेड़ों को एक विशिष्ट स्थान और विशिष्ट दिशा में ..... जाता है।

2.3 नवग्रह वन के पौधे, संबंधित ग्रह और दिशा

यह 9 पौधे पेड़-पौधों, झाडियों और घास के मिश्रण हैं। इनको दिशा के अनुसार उगाया जाता है। नीचे दी गयी सूची 9 ग्रहों के पौधों के नाम, उनसे जुड़े ग्रह और उनको उगाने के स्थान के बारे में बताती है।

- श्वेत अर्क-यह सूर्य का प्रतिनिधि है तथा मध्य अथवा केंद्र में उगाया जाता है।
- पलाश-यह चंद्र प्रतिनिधि पौधा दक्षिण-पूर्वी दिशा में लगाया जाता है।
- कधीरा अथवा नाला सांद्रा-मंगल का प्रतिनिधित्व करने वाले इस पौधे को दक्षिण दिशा में उगाया जाता है।
- अपामार्ग-बुध का प्रतिनिधि है। यह उत्तरी दिशा में उगाया जाता है।
- पीपल अथवा अश्वत्थ-गुरु या बृहस्पति का प्रतिनिधि है तथा पूर्वी दिशा में लगाया जाता है।
- अंजीर-यह शुक्र का प्रतिनिधि है तथा पूर्वी दिशा में लगाया जाता है।
- समी या खारी-शनि का प्रतिनिधि करने वाले सभी को पश्चिमी दिशा में उगाते हैं।
- ध्रुव-यह राहु या ड्रैगन का प्रतिनिध है तथा पश्चिमी दिशा में उगाना चाहिए।
- डाब डार्क-यह केतु अथवा ड्रैगन की पूंछ का प्रतिनिधि है तथा उत्तर-पश्चिमी दिशा में उगाया जाता है।

2.4 नवग्रह वन के पौधों के औषधीय तत्व

औषधीय वनों की व्याख्या उनके द्वारा उगाए जाने की विधियां बताने वाले ग्रंथों पर आधारित है। हम यह जानते हैं कि नवग्रह वन पौधों में औषधीय गुण होते है तथा आयुर्वेद मुख्यत: इनका प्रयोग करता है। आइए इनमें से कुछ के औषधीय गुणों के बारे में जानते हैं।

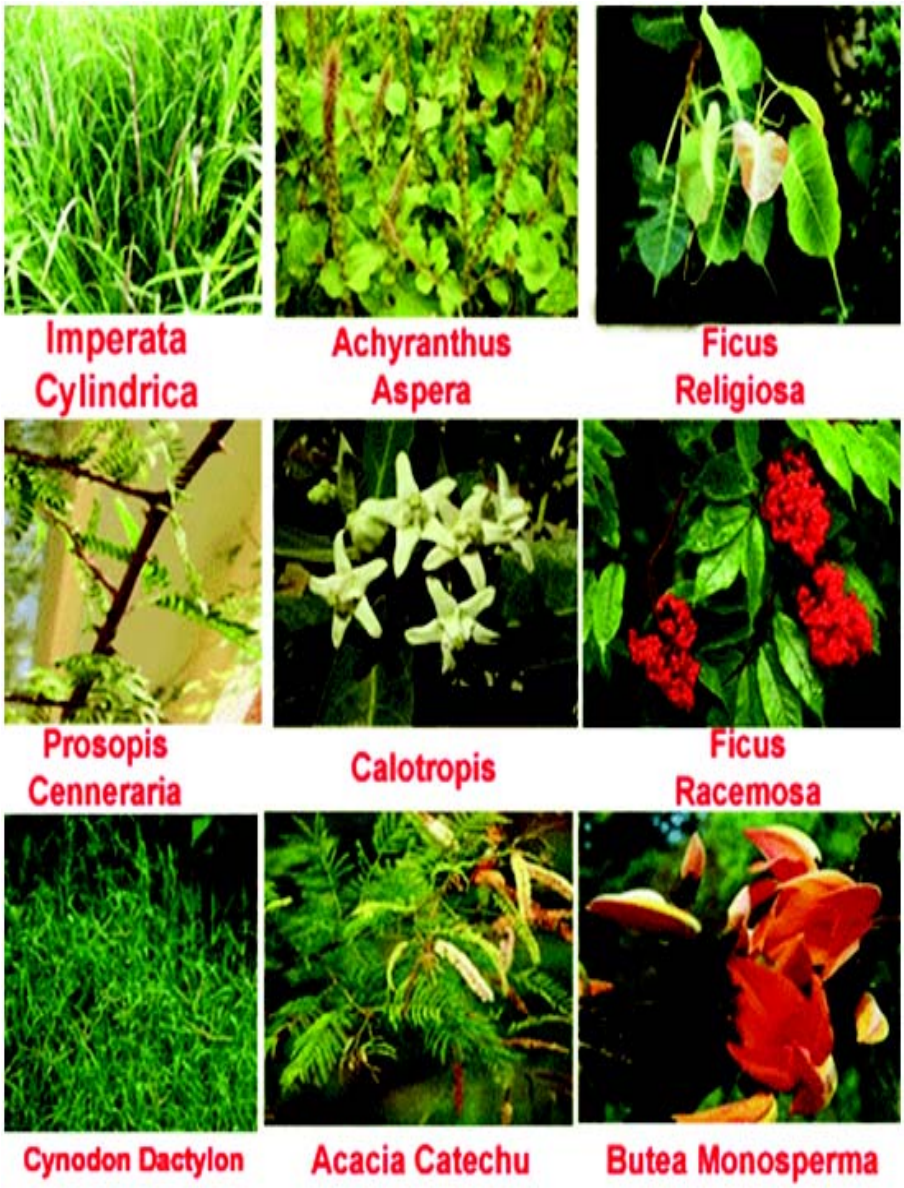

चित्र 2.1 नवग्रह वन के पौधे

1. पीपल अथवा अवश्त्थ–

पीपल के पेड़ के मुख्य स्वास्थ्य लाभ है :-

- बुखार
- दमा
- आंखों में दर्द
- मुंह एवं दातों के स्वास्थ्य (Oral health) हेतु
- नाक से खून आना
- पीलिया
- कब्ज
- बीमारियां
- पेचिश
- मधुमेह

2. अंजीर–

इसके निम्न स्वास्थ्य लाभ है–

- दमा
- चिंता एवं तनाव
- रक्त की अल्प मात्रा
- कैंसर
- मधुमेह
- सूजन विरोधी

3. ध्रुव–

दूर्बा घास में अनेक पोषक तत्व शामिल होते हैं जैसे–विटामिन ए, विटामिन सी, प्रोटीन, फैट, फाइबर, पोटेशियम, कार्बोहाईड्रेट, ऐसीदिक अम्ल (acid), एल्कोलोइस आदि। इसके स्वास्थ्य लाभ निम्न हैं–

- गैस व अपच में राहत।
- प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है।
- खून में शर्करा की मात्रा नियंत्रित रखती है।
- कब्ज में फायदेमंद
- मोटापे में कारगर है
- खून साफ करती है
- मसूड़ों से खून निकलना ठीक करती है।
- आंखें के संक्रमण को रोकती है।
- नाक से खून को बंद करती है।
- Polycystic ovarian syndrome और मानसिक परेशानियों से निजात दिलाती है।

4. श्वेत अर्क–

- मधुमेह में कारगर
- सूजन विरोधी
- उल्टी
- हृदय समस्याएं

6. पलाश

- पेचिश
- चर्म रोग
- पेशाब में समस्याएं
- गर्भ निरोधक
- सफेद पानी आना (Leucouhoea)
- पेट के कीड़े

- निकोटोनिक अम्ल की कमी
- योनि संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं
- मूत्र का रुकना

क्रियाकलाप 2.1

- किसी भी आयुर्वेद डाक्टर से मिलकर इन पौधों के औषधीय गुण एवं दैनिक प्रयोग के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए।

पाठगत प्रश्न 2.2

निम्न वाक्यों में सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिहन लगाइए-

1. श्वेत अर्क सूर्य का प्रतिनिधि है। ( )
2. पीपल अथवा अश्वत्थ उत्तर-पूर्वी दिशा में उगाया जाता है। ( )
3. अंजीर को पश्चिमी दिशा में उगाते हैं। ( )
4. दूर्वा (Thatch grass) केतु या ड्रैगन की पूंछ की प्रतिनिधि है। ( )
5. पलाश गर्भ निरोध में लाभकारी है। ( )

आपने क्या सीखा

- नवग्रह वन का महत्व
- नवग्रह वन के लाभ
- नवग्रह वन के 9 पेड़ों के नाम
- नवग्रह वन के प्रत्येक पेड़ से जुडे हुए ग्रह के नाम
- नवग्रह वन के प्रत्येक पेड़ की दिशा व स्थान
- नवग्रह वन के कुछ पेड़ों के औषधीय गुण

पाठांत प्रश्न

1. नवग्रह वन के महत्व की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।
2. भारतीय ग्रंथों के आधार पर नवग्रह वनों के लाभों की व्याख्या कीजिए।
3. सारणी के रूप में निम्न जानकारी को प्रदर्शित करें-
   i. नवग्रह वन के पेड़ों के नाम
   ii. प्रत्येक पेड़ के प्रतिनिध ग्रह
   iii. प्रत्येक पेड़ के स्थान व दिशा
4. निम्न पेड़ों के औषधीय गुणों की व्याख्या कीजिए-
   i. श्वेत अर्क
   ii. पलाश
   iii. पीपल या अश्वत्थ
   iv. अंजीर
   v. दुर्वा

उत्तरमाला

2.1

1. ग्रह
2. ऊर्जा
3. शक्ति
4. वास्तु
5. उगाना

2.2

1. सही
2. सही
3. गलत
4. सही
5. सही